



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3 उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3 Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 423]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 2, 2015/आषाढ़ 11, 1937

No. 423]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 2, 2015/ASADHA 11, 1937

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 2015

सा.का.नि. 529(अ).—केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, केंद्रीय सरकार के अनुमोदन से काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 (2015 का 22) की धारा 85 की उप-धारा (1) और उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :--

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.**—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण नियम, 2015 है।

(2) ये उनके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. **परिभाषाएं.**—(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,--

(क) "अधिनियम" से काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 (2015 का 22) अभिप्रेत है ;

(ख) "अध्याय" से इस अधिनियम का अध्याय अभिप्रेत है ;

(ग) "प्ररूप" से इन नियमों से संलग्न कोई प्ररूप अभिप्रेत है ;

(घ) "आय-कर अधिनियम" से आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अभिप्रेत है ;

(ङ) "धारा" से अधिनियम की कोई धारा अभिप्रेत है।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1961 या उसके अधीन बनाए गए नियमों में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके क्रमशः उन अधिनियमों और नियमों में हैं।

3. **उचित बाजार मूल्य.**—(1) अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के प्रयोजनों के लिए आस्तियों के उचित बाजार मूल्य का अवधारण निम्नलिखित रीति से किया जाएगा, अर्थात् :--

(क) सोना-चांदी, आभूषण या बहुमूल्य रत्न का मूल्य,

(I) अर्जन की उसकी लागत से उच्चतर होगा ; और

(II) उस कीमत से उच्चतर होगा, जो कि ऐसे सोना-चांदी, आभूषण, बहुमूल्य रत्न को जिसके लिए निर्धारित भारत से बाहर किसी देश या विनिर्दिष्ट राज्यक्षेत्र की सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त मूल्यांकक या किसी विनियम या विधि के अधीन सोना-चांदी आभूषण या बहुमूल्य रत्न के मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए उसके किसी अभिकरण से रिपोर्ट अभिप्राप्त कर सकेगा, साधारणतया मूल्यांकन की तारीख को खुले बाजार में बेचे जाने पर प्राप्त होती ;

(ख) पुरातत्वीय संग्रहण, रेखाचित्र, पेंटिंग, मूर्तिकला या किसी अन्य कलाकृति (जिसे इसमें इसके पश्चात् कलाकृति कहा गया है) का मूल्यांकन,-

(I) अर्जन की उसकी लागत ; या

(II) वह कीमत, जो उस कलाकृति को साधारणतया मूल्यांकन की तारीख को खुले बाजार में बेचे जाने पर प्राप्त होती, जिसके लिए निर्धारित भारत से बाहर किसी देश या विनिर्दिष्ट राज्यक्षेत्र की सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त मूल्यांकक या किसी विनियम या विधि के अधीन कलाकृति के मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए उसके किसी अभिकरण से रिपोर्ट अभिप्राप्त कर सकेगा ;

होगा, इनमें से जो भी उच्चतर हो;

(ग) शेयरों और प्रतिभूतियों का मूल्यांकन—

(I) कोट किए गए शेयर और प्रतिभूतियों का उचित बाजार मूल्य-

(i) अर्जन की उसकी लागत से उच्चतर होगा ; या

(ii) निम्नलिखित रीति से यथा अवधारित कीमत से उच्चतर होगा, अर्थात् :--

(अ) मूल्यांकन की तारीख को किसी स्थापित प्रतिभूति बाजार में कोट किए गए ऐसे शेयरों और प्रतिभूतियों की निम्नतर और उच्चतर कीमत की औसत कीमत ; या

(आ) जहां मूल्यांकन की तारीख को स्थापित प्रतिभूति बाजार में ऐसे शेयरों और प्रतिभूतियों का व्यापार नहीं हुआ है, वहां मूल्यांकन की तारीख से ठीक पहले की तारीख को किन्हीं स्थापित प्रतिभूति बाजार में ऐसे शेयरों और प्रतिभूतियों की निम्नतम और उच्चतम कीमत की औसत कीमत ;

(II) कोट न किए गए साधारण शेयरों का उचित बाजार मूल्य,--

(i) अर्जन की उसकी लागत से उच्चतर होगा ; या

(ii) मूल्यांकन की तारीख को निम्नलिखित रीति से यथा अवधारित ऐसे साधारण शेयरों के मूल्य से उच्चतर होगा, अर्थात् :--

कोट न किए गए साधारण शेयरों का उचित बाजार मूल्य = $\frac{(\text{ए+बी-एल})}{(\text{पीई})} \times (\text{पीवी})$,

जहां,-

ए = सभी आस्तियों (सोना-चांदी, आभूषण, बहुमूल्य रत्न, कलाकृति, शेयर, प्रतिभूति और स्थावर संपत्ति से भिन्न) का बही मूल्य - (i) संदत्त आय-कर, यदि कोई हो, की कोई रकम, जो दावा किए गए आय कर प्रतिदाय की रकम, यदि कोई हो, से कम है ; और (ii) आस्ति के रूप में दर्शायी गई कोई रकम, जिसके अंतर्गत आस्थगित व्यय की ऐसी परिशोधित रकम भी है जो किसी आस्ति के मूल्य का प्रतिनिधित्व नहीं करती है।

बी = सोना-चांदी, आभूषण, बहुमूल्य रत्न, कलाकृति, शेयर, प्रतिभूतियों और स्थावर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,

एल = दायित्वों का बही मूल्य, किन्तु इसके अंतर्गत निम्नलिखित रकम नहीं हैं ;

- (i) साधारण शेयरों के संबंध में समादत्त पूंजी ;
- (ii) अधिमानी शेयरों और साधारण शेयरों पर लाभांश के संदाय के लिए पृथक् रखी गई रकम ;
- (iii) अवक्षयण के लिए पृथक् रखे गए आरक्षिती से भिन्न आरक्षिती और अतिशेष, चाहे जिस नाम से ज्ञात हो, परिणामी अंक के ऋणात्मक होने पर भी ;
- (iv) कराधान के उपबंध को, प्रतिदाय के रूप में दावा किए गए आयकर की रकम, यदि कोई हो, को कम करके संदत्त आयकर की रकम से भिन्न प्रतिनिधित्व करने वाली कोई रकम उस विस्तार तक, जो उसको लागू विधि के अनुसार बही लाभ से संदर्भ में संदेय कर के अधिक है ;
- (v) अभिनिश्चित दायित्वों से भिन्न दायित्वों को पूरा करने के लिए किए गए उपबंधों को दर्शाने वाली कोई रकम ;
- (vi) संचयी अधिमानी शेयरों के संबंध में संदेय लाभांश के बकाया से भिन्न समाश्रित दायित्व का प्रतिनिधित्व करने वाली कोई रकम ;

पीई = तुलन-पत्र में यथा दर्शित संदत्त साधारण शेयर पूंजी की कुल रकम

पीवी = ऐसे साधारण शेयर का समादत्त मूल्य

(III) किसी कंपनी में के साधारण शेयर से भिन्न कोट न किए गए शेयरों और प्रतिभूतियों का उचित बाजार मूल्य,-

- (i) अर्जन की उसकी लागत से उच्चतर होगा ; या
- (ii) उस कीमत से उच्चतर उच्चतर होगा, जो कि ऐसे शेयर या प्रतिभूति को, जिसके लिए निर्धारिती ने भारत से बाहर किसी देश या विनिर्दिष्ट राज्यक्षेत्र की सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त मूल्यांकक या किसी विनियम या विधि के अधीन शेयर या प्रतिभूति के मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए उसके किसी अभिकरण से रिपोर्ट अभिप्राप्त कर सकेगा, मूल्यांकन की तारीख को खुले बाजार में बेचे जाने पर प्राप्त होती ;

(घ) किसी स्थावर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,-

(I) अर्जन की उसकी लागत ; या

(II) ऐसी कीमत, जो उस संपत्ति को, जिसके लिए निर्धारित भारत के बाहर किसी देश या विनिर्दिष्ट राज्यक्षेत्र की सरकार द्वारा, जिसमें संपत्ति अवस्थित है, मान्यताप्राप्त मूल्यांकक या किसी विनियम या विधि के अधीन स्थावर संपत्ति के मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए उसके किसी अभिकरण से मूल्यांकन रिपोर्ट अभिप्राप्त कर सकेगा, मूल्यांकन की तारीख को खुले बाजार में बेचे जाने पर प्राप्त होती, होगी, इनमें से जो भी उच्चतर हो ;

(ङ.) किसी बैंक खाते का मूल्य,-

(I) खाता खोलने की तारीख से बैंक के खाते में किए गए सभी निक्षेपों की धनराशि, होगा ; या

(II) जहां ऐसे खाते की घोषणा, अध्याय 6 के अधीन की गई है और खाते का मूल्य उपखंड (I) के अधीन यथा संगणित खाते का मूल्य उस अध्याय के अधीन कर और शास्ति से प्रभारित किया गया है, वहां ऐसी घोषणा की तारीख से बैंक के खाते में किए गए सभी निक्षेपों की धनराशि होगा :

परंतु जहां कोई निक्षेप खाते से किसी प्रत्याहरण के आगमों से किया जाता है वहां खाते के मूल्य की संगणना करते समय ऐसे निक्षेप को विचार में नहीं लिया जाएगा ।

(च) किसी भागीदारी फर्म में या किसी व्यक्ति-संगम या किसी सीमित दायित्व भागीदारी में किसी व्यक्ति के, जिसका वह सदस्य है, हित का मूल्य खंड (छ) में विनिर्दिष्ट रीति से अवधारित किया जाएगा ।

(छ) मूल्यांकन की तारीख को किसी फर्म, व्यक्ति-संगम या सीमित दायित्व भागीदारी की शुद्ध आस्ति का पहले अवधारण किया जाएगा और फर्म, व्यक्ति-संगम या सीमित दायित्व भागीदारी के शुद्ध आस्ति का ऐसा भाग, जो उसकी पूंजी की रकम के बराबर है, उसके भागीदारों या सदस्यों के बीच ऐसे अनुपात में, जिसमें उनके द्वारा पूंजी का अभिदाय किया गया है, आबंटित किया जाएगा और शुद्ध आस्ति का शेष भाग, फर्म या संगम में विघटन की दशा में आस्तियों के वितरण के लिए भागीदार या संगम के करार के अनुसार या ऐसे करार के अभाव में ऐसे अनुपात में जिसमें भागीदार या सदस्य लाभ का हिस्सा पाने के हकदार हैं, भागीदारों या सदस्यों में आबंटित किया जाएगा और आबंटित धनराशि की कुल रकम को भागीदारी या संगम में के उस भागीदार या सदस्य के हित के मूल्य के रूप में माना जाएगा ।

स्पष्टीकरण : इस खंड के प्रयोजन के लिए फर्म, व्यक्ति-संगम या सीमित दायित्व भागीदारी की शुद्ध आस्ति (ए+बी-एल) होगी जिसका अवधारण खंड (ग) के उपखंड (II) में उपबंधित रीति से किया जाएगा ।

(ज) किसी अन्य आस्ति का मूल्यांकन--

(i) अर्जन की लागत या विनिहित की गई रकम से उच्चतर होगा ; और

(ii) आस्ति की उस कीमत से उच्चतर होगा, जो किसी आसन्निकट संव्यवहार में मूल्यांकन की तारीख को उसे खुले बाजार में बेचे जाने पर प्राप्त होती ;

और भारतीय करेंसी में संपरिवर्तन के अथवा विदेशी करेंसी के संयुक्त राज्य अमेरिका के डालर में और तत्पश्चात् भारतीय करेंसी में संपरिवर्तन के प्रयोजन के लिए तारीख-

(2) उपनियम (1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, जहां कोई आस्ति (बैंक खाते से भिन्न) मूल्यांकन की तारीख के पूर्व अंतरित कर दी जाती है, वहां ऐसी आस्ति का उचित बाजार मूल्य अर्जन की उसकी लागत और विक्रय कीमत से उच्चतर होगा :

परंतु जहां ऐसी आस्ति मूल्यांकन की तारीख से पूर्व प्रतिफल के बिना या अपर्याप्त प्रतिफल पर अंतरित की जाती है वहां आस्ति का उचित बाजार मूल्य अर्जन की उसकी लागत और अंतरण की तारीख को उसके उचित बाजार मूल्य से उच्चतर होगा।

(3) जहां किसी नई आस्ति का या किसी पुरानी आस्ति के अंतरण के मद्दे प्राप्त प्रतिफल के परिणामस्वरूप या किसी बैंक खाते से राशि निकालकर अर्जन किया गया है या वह बनाई गई है वहां उपनियम (1) और उपनियम (2) तक के अनुसार अवधारित पुरानी आस्ति का उचित बाजार मूल्य या बैंक खाते से निकाली गई राशि में से नई आस्ति में विनिहित प्रतिफल को राशि को कम कर दिया जाएगा।

दृष्टांत

भारत के बाहर अवस्थित गृह संपत्ति (एच 1) वर्ष 1997 में बीस लाख रुपए में खरीदी गई थी। वर्ष 2001 में वह पच्चीस लाख रुपए में बेच दी गई थी और वह राशि विदेशी बैंक खाते (बीए) में जमा कर दी गई थी। वर्ष 2002 में एक अन्य गृह संपत्ति (एच 2) तीस लाख रुपए में खरीदी गई थी। गृह संपत्ति में विनिधान 'बी.ए.' से राशि निकालकर किया गया था। एच 2 को मूल्यांकन की तारीख के पूर्व अंतरित नहीं किया गया है और मूल्यांकन की तारीख को इसका मूल्य पचास लाख रुपए है। इस बात को मानते हुए कि 'बी.ए.' का नियम 3(1)(ड.) के अधीन यथा संगणित मूल्य सत्तर लाख रुपए है, आस्तियां उचित बाजार मूल्य (एफएमवी) निम्नानुसार होगा :

एच 1 का एफएमवी : (बीस लाख रुपए और पच्चीस लाख रुपए का उच्चतर)- (बीए) में विनिहित) पच्चीस लाख रुपए = शून्य

बीए का एफएमवी : सत्तर लाख रुपए - (एच 2 में विनिहित) तीस लाख रुपए = चालीस लाख रुपए

एच 2 का एफएमवी (तीस लाख रुपए और पचास लाख रुपए का उच्चतर) = पचास लाख रुपए

(4) ऐसी किसी करेंसी में, जो विदेशी मुद्रा प्रबंध विनियम के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अभिहित करेंसियों में से एक अनुज्ञात करेंसी है, किसी आस्ति के उचित बाजार मूल्य को, मूल्यांकन की तारीख को भारतीय रिजर्व बैंक की निर्देश दर के अनुसार भारतीय करेंसी में संपरिवर्तित किया जाएगा।

(5) जहां उचित बाजार मूल्य का अवधारण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अभिहित करेंसियों में अनुज्ञात करेंसी से भिन्न करेंसी में किया जाता है, वहां ऐसे मूल्य को उस देश के सेंट्रल बैंक द्वारा या जिसकी अधिकारिता में वह आस्ति अवस्थित है, विनिर्दिष्ट दर के अनुसार यूनाइटेड स्टेट्स (संयुक्त राज्य अमेरिका) के डालर में मूल्यांकन की तारीख को संपरिवर्तित किया जाएगा और यूनाइटेड स्टेट्स डालर में के ऐसे मूल्य को भारतीय रिजर्व बैंक की निर्देश दर के अनुसार भारतीय करेंसी में मूल्यांकन की तारीख को संपरिवर्तित किया जाएगा :

परंतु जहां उस देश के या जिसकी अधिकारिता में वह आस्ति अवस्थित है, सेंट्रल बैंक द्वारा अपनी स्थानीय करेंसी से यूनाइटेड स्टेट्स डालर में संपरिवर्तन किए जाने की दर विनिर्दिष्ट नहीं की गई है वहां वह दर ऐसी दर होगी जो उस देश या अधिकारिता की विधियों या अधिकारिता के अधीन विनियमित किसी अन्य बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट की गई है।

स्पष्टीकरण- इस नियम के प्रयोजन के लिए,-

- (क) "स्थापित प्रतिभूति बाजार" से ऐसा कोई एक्सचेंज अभिप्रेत है जो ऐसी किसी सरकारी इकाई द्वारा, जिसमें बाजार अवस्थित है, मान्यताप्राप्त है और जिसका एक्सचेंजों में क्रय-विक्रय किए गए शेयरों का एक अर्थ पूर्ण वार्षिक मूल्य है ;
- (ख) एक्सचेंज में क्रय-विक्रय किए गए शेयरों का अर्थपूर्ण वार्षिक मूल्य, यदि उसका एक्सचेंज या पूर्ववर्ती एक्सचेंज में क्रय-विक्रय किए गए शेयरों का वार्षिक मूल्य, उस कलेंडर के, जिसमें अवधारण किया जाता है, ठीक पूर्ववर्ती प्रत्येक तीन कलेंडर वर्षों के दौरान एक बिलियन यूनाइटेड स्टेट्स डालर से अधिक है ;

- (ग) शेयरों के प्रत्येक वर्ग के संबंध में, सतत् आधार पर क्रय-विक्रय की अर्थपूर्ण मात्रा से अभिप्रेत है- (i) ऐसे प्रत्येक वर्ग में, अल्प मात्रा से भिन्न ऐसे क्रय-विक्रय, जो पूर्ववर्ती कैलेंडर वर्ष के दौरान कम से कम साठ कारबार दिनों में एक या अधिक स्थापित प्रतिभूति बाजारों में, किए जाते हैं ; (ii) ऐसे प्रत्येक वर्ग में शेयर की, जिनका पूर्ववर्ष के दौरान ऐसे बाजार या बाजारों में क्रय-विक्रय किया जाता है, ऐसी सकल संख्या पूर्ववर्ती कैलेंडर वर्ष के दौरान उस वर्ग में बकाया शेयरों की औसात संख्या का कम से कम दस प्रतिशत होगी ;
- (घ) "कोट किए गए शेयर या प्रतिभूति" से ऐसा शेयर या प्रतिभूति अभिप्रेत है जिसका किसी स्थापित प्रतिभूति बाजार में सतत् आधार पर क्रय-विक्रय का एक अर्थपूर्ण भाग है और उनको व्यौहारियों द्वारा नियमित रूप से कोट किया जाता है जहां कि वे उन ग्राहकों, जो कारबार के सामान्य अनुक्रम में व्यौहारी के नातेदार नहीं हैं, से सक्रिय रूप से शेयर क्रय करते हैं और उनको शेयर बेचते हैं ;
- (ङ) "कोट न किया गया शेयर या प्रतिभूति" से शेयर या प्रतिभूति के संबंध में, ऐसा शेयर या प्रतिभूति अभिप्रेत है, जो कोट न किया गया कोई शेयर या प्रतिभूति है ।

स्पष्टीकरण 2—उप-नियम (1) में निर्दिष्ट बाजार मूल्य का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए और भारतीय करेंसी में संपरिवर्तन के अथवा विदेशी करेंसी के संयुक्त राज्य अमेरिका के डालर में और तत्पश्चात् भारतीय करेंसी में संपरिवर्तन के प्रयोजन के लिए तारीख-

(क) अधिनियम की धारा 59 के अधीन घोषित आस्ति के संबंध में 26 मई, 2015 होगी ;

(ख) किसी अन्य मामले में पूर्ववर्ष के अप्रैल का प्रथम दिन होगी ।

4. **कर प्राधिकारी**- धारा 8 के प्रयोजनों के लिए, निर्धारण अधिकारी, संयुक्त आयुक्त, आयुक्त (अपील), आयुक्त या प्रधान आयुक्त, मुख्य आयुक्त या प्रधान मुख्य आयुक्त कर प्राधिकारी होंगे ।

5. **मांग सूचना**- जहां अधिनियम के उपबंधों के अधीन पारित किसी आदेश के परिणामस्वरूप कोई कार, व्याज या शास्ति संदेय है, वहां निर्धारण अधिकारी प्ररूप 1 में एक मांग सूचना की, उसमें इस प्रकार संदेय राशि को विनिर्दिष्ट करते हुए, निर्धारिती पर तामील कराएगा ।

6. **आयुक्त (अपील) को अपील**-(1) धारा 15 की उप-धारा (1) के अधीन अपील प्ररूप 2 में आयुक्त (अपील) को की जाएगी ।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट अपील के प्ररूप, अपील के आधारों और किसी निर्धारिती के संबंध में उसके साथ उपाबद्ध सत्यापन के प्ररूप पर उस व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और उसके द्वारा उसे सत्यापित किया जाएगा जो आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 140 के अधीन, निर्धारिती को यथा लागू आय की विवरणी पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत है ।

(3) धारा 15 की उप-धारा (1) के अधीन फाइल की गई प्रत्येक अपील के साथ दस हजार रुपए की फीस दी जाएगी ।

(4) धारा 15 की उप-धारा (1) के अधीन कोई अपील तब तक ग्रहण नहीं की जाएगी जब तक कि अपील के फाइल किए जाने के समय निर्धारिती द्वारा कर का शास्ति तथा उस पर संदेय ब्याज का, जिसके प्रति निर्धारिती द्वारा आक्षेप नहीं किया गया है, संदाय न कर दिया गया हो ।

7. **अपील अधिकरण को अपील** - (1) धारा 18 की उपधारा (1) के अधीन अपील अधिकरण को अपील प्ररूप 3 में की जाएगी और जहां अपील निर्धारिती द्वारा की जाती है वहां अपील के प्ररूप, अपील के आधारों और उसके साथ उपाबद्ध सत्यापन के प्ररूप पर नियम 6 के उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे ।

(2) अपील अधिकरण की धारा 18 की उपधारा (4) के अधीन प्रति आक्षेपों का ज्ञापन प्ररूप 4 में तैयार किया जाएगा और जहां प्रति आक्षेपों का ज्ञापन निर्धारिती द्वारा तैयार किया जाता है वहां प्रति आक्षेपों के ज्ञापन का प्ररूप, प्रति आक्षेपों के

आधारों और उससे उपाबद्ध सत्यापन के प्ररूप पर नियम 6 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

(3) धारा 18 की उप-धारा (1) के अधीन फाइल की गई प्रत्येक अपील के साथ पांच हजार रुपए की फीस दी जाएगी।

8. **कर बकाया का प्ररूप** – धारा 31 या धारा 33 के अधीन कर बकाया का विवरण कर वसूली अधिकारी द्वारा प्ररूप 5 में तैयार किया जाएगा।

9. **भारत के बाहर अवस्थित अप्रकटित आस्ति की धारा 59 के अधीन घोषणा**—(1) भारत के बाहर अवस्थित किसी अप्रकटित आस्ति के संबंध में अधिनियम की धारा 59 के अधीन की घोषणा प्ररूप 6 में की जाएगी।

(2) प्रधान आयुक्त या आयुक्त, भारत के बाहर अवस्थित अप्रकटित आस्ति के संबंध में घोषणाकर्ता द्वारा अधिनियम की धारा 63 की उपधारा (2) के अधीन कर का शास्ति के साथ, संदाय करने का सबूत प्रस्तुत किए जाने के पन्द्रह दिन के भीतर उसका अभिस्वीकृति पत्र प्ररूप 7 में घोषणाकर्ता को देगा।

10. **शैक्षणिक अर्हताएं**— धारा 78 की उपधारा (3) के खंड (च) के प्रयोजन के लिए शैक्षणिक अर्हताएं वे होंगी जो आयकर नियम, 1962 के नियम 51 में विहित है।

11. **कतिपय मामलों में प्राधिकारी**— धारा 78 की उपधारा (4) के खंड (ग) के प्रयोजनों के लिए, उन कार्यवाहियों से संबंधित मामले पर अधिकारिता रखने वाला प्रधान मुख्य आयुक्त या मुख्य आयुक्त या प्रधान आयुक्त या आयुक्त प्राधिकारी होगा जिसके संबंध में आयकर व्यवसायी के विरुद्ध अवचार का दोषी होने का अभिकथन किया गया है।

12. **आय, आस्ति मूल्य और कर का पूर्णांकन**— धारा 79 के प्रयोजन के लिए अधिनियम के अनुसार संगणित अप्रकटित आय और आस्ति की रकम और अधिनियम के अधीन निर्धारित को संदेय या उसके द्वारा प्राप्य किसी रकम को, यथास्थिति, एक सौ रुपए या दस रुपए के निकटतम गुणक में पूर्णांकित किया जाएगा और इस प्रयोजन के लिए जहां ऐसी रकम में रुपए के भाग रूप में पैसे अंतर्विष्ट हैं, तब यदि ऐसा भाग पचास पैसा या उससे अधिक है तो उसे एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

[अधिसूचना सं. 58/2015/फा.सं. 133/33/2015-टीपीएल]

गौरव कनौजिया, निदेशक

परिशिष्ट

प्ररूप 1 मांग की सूचना

सेवा में,

.....
.....
.....

प्रास्थिति

पैन

1. आपको यह सूचना दी जाती है कि निर्धारण वर्ष के लिए रुपए की राशि, जिसके ब्यौरे इसके पिछली ओर दिए गए हैं, को आपके द्वारा संदेय अवधारित किया गया है।

2. यह रकम प्रबंधक, प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक को में इस सूचना की तामील के भीतर संदत्त की जानी चाहिए। अपर/संयुक्त आयुक्त का पूर्वानुमोदन उपरोक्त राशि का तीस दिन से अन्यून अवधि के भीतर संदाय अनुज्ञात करने के लिए अभिप्राप्त कर लिया गया है।

3. यदि आप ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर रकम का संदाय नहीं करते हैं तो उसकी वसूली के लिए काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण नियम, 2015 की धारा 30 से धारा 39 के अनुसरण में कार्यवाहियां की जाएंगी।

4. यदि आप निर्धारण या शास्ति के विरुद्ध अपील करने का आशय करते हैं तो आप अधिनियम की धारा 15 के अधीन आयुक्त (अपील) को इस सूचना की प्राप्ति के तीस दिन के भीतर नियम 6 में यथाविहित प्ररूप 2 में उस प्ररूप में यथाविहित सम्यकता स्टांप लगाए हुए और सत्यापित रूप में अपील प्रस्तुत कर सकेंगे।

5. रकम आयुक्त (अपील) के आदेश के परिणामस्वरूप शोध हो गया है। यदि आप पूर्वोक्त आदेश के विरुद्ध अपील करने का आशय करते हैं तो आप अधिनियम की धारा 18 के अधीन आयकर अपील अधिकरण को इस आदेश की प्राप्ति के साठ दिन के भीतर नियम 7 में यथाविहित प्ररूप 3 में उस प्ररूप में यथाविहित सम्यकता स्टांप लगाए हुए और सत्यापित रूप में अपील प्रस्तुत कर सकेंगे।

स्थान

.....

तारीख

निर्धारण अधिकारी

पता

टिप्पण :

1. अनुपयुक्त पैराओं और शब्दों का लोप करें।
2. यदि आप चैक द्वारा रकम का संदाय करने की इच्छा करते हैं तो चैक प्रबंधक, प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक के नाम आहरित किया जाएगा।

प्ररूप 2

[देखें नियम 6(1)]

आयकर आयुक्त (अपील) को अपील

आयुक्त (अपील) का पदनाम

20 की संख्या*

1. अपीलार्थी का नाम और पता
2. स्थायी लेखा संख्या
3. वह निर्धारण वर्ष, जिसके संबंध में अपील की गई है
4. निर्धारण अधिकारी जिसके द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध अपील की गई है
5. काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण नियम, 2015 की धारा और उपधारा, जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने वह आदेश पारित किया है, जिसके विरुद्ध अपील की गई है और ऐसे आदेश की तारीख
6. क्या अपील किसी निर्धारण या शास्ति से संबंधित है, सुसंगत मांग की सूचना की तामील की तारीख
7. किसी अन्य मामले में आदेश की संसूचना की तामील की तारीख, जिसके विरुद्ध अपील की गई है
8. काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण नियम, 2015 की धारा और उपधारा, जिसके विरुद्ध अपील की गई है
9. अपील में दावा किया गया अनुतोष
10. आदेश से उद्भूत शास्ति और ब्याज सहित कर की रकम, जिसमें अपील की गई है, जिस पर अपीलार्थी द्वारा अपील में आक्षेप नहीं किया गया है

11. क्या मद 10 में निर्दिष्ट अविवादित रकम का संदाय कर दिया गया है (यदि हां, तो संदाय की तारीख, चालान सं. और संदत्त रकम के ब्यौरे दें)

12. **क्या अपीलार्थी के मामले में किसी आयुक्त (अपील) के पास किसी अन्य निर्धारण वर्ष के संबंध में कोई अपील लंबित है तो निम्नलिखित के संबंध में ब्यौरे दें --

(क) आयुक्त (अपील), जिसके पास अपील लंबित हैं ;

(ख) वह निर्धारण वर्ष, जिसके लिए अपील की गई है ;

(ग) वह निर्धारण अधिकारी, जिसके द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध अपील की गई है ;

(घ) अधिनियम की धारा और उपधारा, जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने वह आदेश पारित किया, जिसके विरुद्ध अपील की गई है और ऐसे आदेश की तारीख

13. पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी

.....
ह./-
(अपीलार्थी)

तथ्यों का विवरण
अपील के आधार

.....
ह./-
(अपीलार्थी)

सत्यापन का प्ररूप

मैं अपीलार्थी घोषणा करता हूं कि ऊपर किया गया कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आज तारीख को सत्यापित

स्थान

हस्ताक्षर

टिप्पण :

1. अपील का प्ररूप, अपील के आधारों और उससे उपाबद्ध सत्यापन के प्ररूप पर व्यक्ति द्वारा नियम 6(2) के उपबंधों के अनुसार हस्ताक्षर किए जाएंगे।
2. अपील ज्ञापन, तथ्यों का विवरण और अपील के आधार दो प्रतियों में उस आदेश की प्रति, जिसके विरुद्ध अपील की गई है और मूल मांग की सूचना, यदि कोई हों, सहित होंगे।
3. अनुपयुक्त शब्दों का लोप करें।
4. *इन विशिष्टियों को आयुक्त (अपील) के कार्यालय में भरा जाएगा।
5. यदि यहां दिया गया स्थान अपर्याप्त है तो इस प्रयोजन के लिए पृथक् संलग्नकों का उपयोग किया जा सकेगा।
6. **यदि अपीलें एक से अधिक निर्धारण वर्ष के संबंध में लंबित हैं तो प्रत्येक निर्धारण वर्ष के लिए पृथक् विशिष्टियां दी जाएं।
7. अपील ज्ञापन के साथ दस हजार रुपए की फीस संलग्न होगी।
8. फीस को प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा में जमा किया जाना चाहिए।

प्ररूप 3

[देखें नियम 7(1)]

अपील अधिकरण को अपील का प्ररूप**अपील अधिकरण में**

20 की अपील संख्या*

..... अपीलार्थी	बनाम प्रत्यर्थी
1. वह राज्य, जिसमें निर्धारण किया गया था 2. निर्धारिती का स्थायी लेखा संख्यांक (अपीलार्थी/प्रत्यर्थी) 3. धारा, जिसके अधीन वह आदेश पारित किया गया है, जिसके विरुद्ध अपील की गई है 4. निर्धारण वर्ष, जिसके संबंध में अपील की गई है 5. मद 4 में निर्दिष्ट निर्धारण के लिए निर्धारण अधिकारी द्वारा निर्धारित कुल अप्रकटित विदेशी आय और आस्तियां 6. मूल आदेश पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी 7. काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण नियम, 2015 की धारा, जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने आदेश पारित किया था 8. धारा 12/धारा 15/धारा 45 के अधीन आदेश पारित करने वाला आयुक्त (अपील) 9. उस आदेश को, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, संसूचित करने की तारीख 10. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी 11. वह पता, जिस पर प्रत्यर्थी को सूचना भेजी जा सकेगी 12. अपील में दावा किया गया प्रतितोष		
अपील के आधार		
1.	2.	3. 4. आदि
..... हस्ताक्षर (प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों) हस्ताक्षर (अपीलार्थी)	

सत्यापन

मैं अपीलार्थी घोषणा करता हूं कि ऊपर किया गया कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आज तारीख को सत्यापित

स्थान

.....
हस्ताक्षर

टिप्पण :

1. उक्त अपील प्राधिकारी के समक्ष फाइल किया गया अपील ज्ञापन तीन प्रतियों में होगा और उसके साथ दो प्रतियां (कम से कम, जिसमें से एक प्रमाणित प्रति होनी चाहिए) उस आदेश की होंगी, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, दो प्रतियां निर्धारण अधिकारी के सुसंगत आदेश, पहले अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील के आधारों की दो प्रतियां, दो प्रतियां तथ्यों के कथन, यदि कोई हों, होगा।
2. निर्धारिती द्वारा धारा 18 की उपधारा (1) के अधीन अपील ज्ञापन के साथ पच्चीस हजार रुपए की फीस संलग्न होगी।
3. फीस को प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा में चालान अभिप्राप्त करने के पश्चात् जमा किया जाएगा और तीन प्रतियों में चालान को अपील ज्ञापन के साथ अपील अधिकरण को भेजा जाएगा। अपील अधिकरण चैक, ड्राफ्ट, हुंडी या अन्य परक्राम्य लिखित को स्वीकार नहीं करेगा।
4. अपील ज्ञापन अंग्रेजी में लिखा होगा या यदि अपील को अपील अधिकरण अध्यक्ष द्वारा आयकर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम 5क के प्रयोजनों के लिए तत्समय अधिसूचित किसी ऐसे राज्य में फाइल किया जाता है तब अपीलार्थी के विकल्प पर हिन्दी में लिखा जाएगा और उसमें स्पष्ट रूप से और सुभिन्न शीर्षकों के अधीन अपील के आधारों को तर्क या विवरण के बिना दिया जाएगा और ऐसे आधारों को लगातार संख्यांकित किया जाएगा।
5. *अपील की संख्या और वर्ष को अपील अधिकरण के कार्यालय में भरा जाएगा।
6. अनुप्रयुक्त स्तंभों का लोप करें, यदि दिया गया स्थान अपर्याप्त है तो इस प्रयोजन के लिए पृथक् संलग्नकों का उपयोग किया जा सकेगा।

प्ररूप 4

[देखें नियम 7(2)]

अपील अधिकरण के लिए प्रति आक्षेपों के ज्ञापन का प्ररूप**आयकर अपील अधिकरण में**

..... की प्रति आक्षेप संख्या*

..... की अपील संख्या**

.....
अपीलार्थी

बनाम

.....
प्रत्यर्थी

1. अपील अधिकरण द्वारा आबंटित अपील संख्या**, जिससे प्रति आक्षेपों का ज्ञापन संबंधित है
2. वह राज्य, जिसमें निर्धारण किया गया था
3. धारा, जिसके अधीन वह आदेश पारित किया गया है, जिसके विरुद्ध अपील की गई है
4. निर्धारण वर्ष, जिसके संबंध में प्रति आक्षेपों का ज्ञापन किया गया है
5. अधिकरण में अपीलार्थी द्वारा फाइल की गई अपील की सूचना की प्राप्ति की तारीख
6. वह पता, जिस पर प्रत्यर्थी (प्रति आक्षेपकर्ता) को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी
7. वह पता, जिस पर अपीलार्थी को सूचना भेजी जा सकेगी
8. †प्रति आक्षेपों के ज्ञापन में दावा किया गया प्रतितोष

†प्रति आक्षेपों के आधार

- 1.
- 2.
- 3.
4. आदि

.....
हस्ताक्षर

(प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों)

.....
हस्ताक्षर

(प्रत्यर्थी)

सत्यापन

मैं प्रत्यर्थी घोषणा करता हूँ कि ऊपर किया गया कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

आज तारीख को सत्यापित

.....
हस्ताक्षर

टिप्पण :

1. प्रति आक्षेप ज्ञापन अनिवार्यता तीन प्रतियों में होगा।
2. प्रति आक्षेप ज्ञापन अंग्रेजी में लिखा होगा या यदि ज्ञापन को अपील अधिकरण अध्यक्ष द्वारा आयकर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम 5क के प्रयोजनों के लिए तत्समय अधिसूचित किसी ऐसे राज्य में फाइल किया जाता है तब प्रत्यर्थी के विकल्प पर हिन्दी में लिखा जाएगा और उसमें स्पष्ट रूप से और सुभिन्न शीर्षकों के अधीन आक्षेपों के आधारों को तर्क या विवरण के बिना दिया जाएगा और ऐसे आधारों को लगातार संख्यांकित किया जाएगा।
3. *प्रति आक्षेप ज्ञापन की संख्या और वर्ष को अपील अधिकरण के कार्यालय में भरा जाएगा।
4. **अधिकरण के कार्यालय द्वारा यथा आवंटित अपील संख्या** और वर्ष और जो प्रत्यर्थी द्वारा प्राप्त अपील की सूचना में दर्ज है उसे यहां प्रत्यर्थी द्वारा भरा जाएगा।
5. †यदि दिया गया स्थान अपर्याप्त है तो इस प्रयोजन के लिए पृथक् संलग्नकों का उपयोग किया जा सकेगा।

प्ररूप 5

[देखें नियम 8]

काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण नियम, 2015 की धारा 31 या धारा 33 के अधीन प्रमाणपत्र

..... कर वसूली अधिकारी का कार्यालय
तारीख

सेवा में,

..... (पैन)

.....

1. *यह प्रमाणित किया जाता है कि रुपए की राशि आपसे की प्राप्ति में शोध हो गई है, जिसके ब्यौरे इसके पिछली ओर दिए गए हैं।

एक प्रमाणपत्र, जिसकी क्रम संख्या है तारीख कर वसूली अधिकारी (स्थान का नाम) द्वारा रुपए की राशि की वसूली के लिए अग्रेषित किया गया है, जिसके ब्यौरे इसके पिछली ओर दिए गए हैं और उक्त कर वसूली अधिकारी ने उक्त प्रमाणपत्र की प्रमाणित प्रति अद्योहस्ताक्षरी को काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण नियम, 2015 की धारा 33(2) के अधीन रुपए की राशि, जिसे आपसे वसूल किया जाना है, अग्रेषित की है।

2. आपको इस सूचना की प्राप्ति के 15 दिन के भीतर उक्त राशि का संदाय करने का अनुदेश दिया जाता है, जिसमें असफल रहने पर वसूली काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण नियम, 2015 की धारा 31 से धारा 39 के उपबंधों और आयकर अधिनियम, 1961 की दूसरी अनुसूची तथा उसके तदधीन बनाए गए नियमों के अनुसरण में की जाएगी।

3. पूर्वोक्त राशि के अतिरिक्त आप सूचना और वारंटों की तामील तथा अन्य प्रक्रियाओं और बकाया की वसूली के लिए की गई सभी अन्य प्रक्रियाओं के संबंध में उपगत सभी लागतों, प्रभारों और व्ययों के लिए भी दायी होंगे।

मुहर

.....

कर वसूली अधिकारी

*जो पैरा लागू न हो उसे काट दें।

बकाया की रकम के ब्यौरे

	रकम (रुपए में)	निर्धारण वर्ष
1. कर		
2. धारा के अधीन शास्ति		
3. धारा के अधीन ब्याज		
4. कोई अन्य राशि (ब्यौरे दें)		
5. योग		

[काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण नियम, 2015]

प्ररूप 6

अप्रकटित विदेशी आस्ति के लिए कर अनुपालन

(नियम 9(1) देखें)

काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 की धारा 59 के अधीन भारत से बाहर अवस्थित अप्रकटित आस्ति की घोषणा का प्ररूप

सेवा में

प्रधान आयुक्त/आयुक्त

.....

महोदय/महोदया,

मैं, काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 की धारा 59 के अधीन निम्नलिखित घोषणा करता/करती हूँ। मैं आवश्यक विशिष्टियाँ नीचे दे रहा/रही हूँ :-

1. घोषणाकर्ता का नाम
2. पता : कार्यालय
-
- ई-मेल..... दूरभाष सं.
- निवास
-
- ई-मेल..... दूरभाष सं.
3. स्थायी लेखा सं. (पैन)
(यदि पैन न हो तो कृपया पैन के लिए आवेदन करें और यहां उत्कथित करें)
4. मूल/संशोधित घोषणा
(यदि संशोधित हो तो मूल घोषणा फाइल करने की तारीख दें)
5. घोषणाकर्ता की प्रास्थिति
(क) यदि व्यष्टि, हिंदू अविभाजित कुटुंब, फर्म, कंपनी इत्यादि हैं
तो विवरण दें
(ख) यदि निवासी/अनिवासी/मामूली तौर पर अनिवासी नहीं है
तो विवरण दें
6. क्या कोई आयकर विवरणी फाइल की गई है ? हाँ/नहीं । यदि हां, तो निम्नलिखित ब्यौरे दें
(क) निर्धारण वर्ष, जिसके लिए अंतिम विवरणी फाइल की गई है
(ख) यदि उपरोक्त विवरणी कागजपत्र में फाइल की गई है तो निर्धारण अधिकारी जिसके समक्ष फाइल की गई है
.....
7. भारत से बाहर अवस्थित अप्रकटित आस्ति का विवरण (उपाबंध के अनुसार)
8. भारत से बाहर अवस्थित अप्रकटित आस्ति की घोषणा की कुल रकम रु.
9. उस पर संदेय कर (मद 8 की 30 प्रतिशत दर पर) रु.
10. उस पर संदेय शास्ति (मद 8 की 30 प्रतिशत दर पर) रु.
11. घोषणा की तारीख को या उससे पूर्व संदत्त कर, यदि कोई हो रु.
(संदाय का सबूत संलग्न करें और निम्नलिखित ब्यौरे दें)

क्रम सं.	बैंक का बी एस आर कोड	निक्षेप की तारीख (दिन/मास/वर्ष)	चालान की क्रम सं.	राशि (रु.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
i				
ii				

12. अतिशेष कर संदेय

सत्यापन

मैं, (पूरा नाम स्पष्ट अक्षरों में)..... पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री.....(पिता या पति का नाम) सत्यनिष्ठा पूर्वक घोषणा करता/करती हूँ कि -

- (क) इस घोषणा में दी गई जानकारी मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है;
- (ख) मेरी अपनी अप्रकटित विदेशी आस्ति और अन्य व्यक्तियों की मेरी अप्रकटित विदेशी आस्ति जिसके संबंध में भी मुझ पर कर प्रभार्य है तथा अन्य व्यक्ति के माध्यम से मेरे द्वारा धारित आस्ति से प्रोद्भूत या उद्भूत आय, जिसके लिए मैं आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 139 के अधीन विवरणी देने में विफल रहा हूँ/अधिनियम के प्रारंभ से पूर्व मेरे द्वारा दी गई आय की विवरणी में प्रकट करने में विफल रहा हूँ/जिसका अन्यथा निर्धारण नहीं हो पाया है इस घोषणा में प्रकट किया गया है ;
- (ग) विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 के संबंध में धारा 71(क) के उपबंध मुझ पर लागू नहीं है;
- (घ) भारतीय दंड संहिता, स्वापक ओषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के संबंध में धारा 71(ख) के उपबंध मुझ पर लागू नहीं है;
- (ङ.) अधोहस्ताक्षरी को विशेष न्यायालय (प्रतिभूति संव्यवहार अपराध निवारण) अधिनियम, 1992 की धारा 3 के अधीन अधिसूचित नहीं किया गया है;
- (च) घोषित आस्ति निर्धारण वर्ष से सुसंगत किसी पूर्ववर्ती वर्ष के लिए आयकर अधिनियम के अधीन प्रभार्य आय से अर्जित नहीं की गई है, -

- (i) जहां आयकर अधिनियम की धारा 142 या धारा 143 की उपधारा (2) या धारा 148 या धारा 153क या धारा 153ग के अधीन ऐसे निर्धारण वर्ष के संबंध में कोई नोटिस प्राप्त हुआ है और कार्यवाही निर्धारण अधिकारी के समक्ष लंबित है ;
- (ii) जहां पूर्ववर्ती वर्ष में आयकर अधिनियम की धारा 132 के अधीन तलाशी की गई है या धारा 132क के अधीन अध्यपेक्षा की गई है या धारा 133क के अधीन सर्वेक्षण किया गया है तथा ऐसे पूर्ववर्ती वर्ष से सुसंगत निर्धारण वर्ष के लिए धारा 143 की उपधारा (2) के अधीन या किसी पूर्ववर्ती वर्ष से सुसंगत किसी निर्धारण वर्ष के लिए उक्त अधिनियम की धारा 153क या 153ग के अधीन कोई नोटिस ऐसे पूर्ववर्ती वर्ष से पूर्व प्राप्त नहीं हुआ है और ऐसे नोटिस को जारी करने का समय समाप्त नहीं हुआ है ।

मैं और घोषणा करता हूँ कि मैं यह घोषणा(पदनाम)..... के रूप में कर रहा हूँ और मैं इस घोषणा को करने के लिए समक्ष हूँ तथा इसको सत्यापित करता हूँ ।

.....हस्ताक्षर

स्थान.....

तारीख.....

*जो लागू न हो उसे काट दें ।

प्ररूप 6 का उपाबंध

भारत से बाहर अवस्थित अप्रकटित आस्तियों का विवरण

घोषित आस्तियों का वर्णन (एक ही वर्ग में अधिक आस्तियों की दशा में पृथक कागज का प्रयोग में लाएं)

1. बैंक खाता

- (क) बैंक का नाम और पता
- (ख) जिस देश में अवस्थित हैं
- (ग) खाताधारक का नाम
- (घ) खाता संख्या
- (ङ.) खाता खोलने की तारीख
- (च) खाते में सभी जमा का योग
- (छ) नियम 3 के अनुसार उचित बाजार मूल्य
- (यदि (च) से भिन्न है तो पृथक संगणना दें)

2. स्थावर संपत्ति (मूल्यांकन रिपोर्ट संलग्न करें)

- (क) संपत्ति का स्वरूप(भूमि/भवन/फ्लैट इत्यादि)
- (ख) संपत्ति का पता
- (ग) जिस देश में अवस्थित हैं
- (घ) अर्जन की तारीख
- (ङ.) अर्जन की कुल लागत
- (च) मूल्यांकन की तारीख को मूल्यांकक द्वारा यथा प्राक्कलित मूल्य
- (छ) नियम 3 के अनुसार उचित बाजार मूल्य
- (यदि (ङ.) या (च) से भिन्न है तो पृथक संगणना दें)

3. आभूषण (मूल्यांकन रिपोर्ट संलग्न करें)

- (क) स्वर्ण
- (I) शुद्धता भार.....मूल्य.....
- (II) शुद्धता भार.....मूल्य.....
- (ख) हीरा (1 कैरेट या अधिक)
- (I) कैरेट, कट....., रंग.....,स्वच्छता..... मूल्य.....
- (II) कैरेट, कट....., रंग.....,स्वच्छता..... मूल्य.....
- (ग) हीरा (1 कैरेट से कम) और अन्य कीमती रत्न मूल्य.....
- (घ) अन्य कीमती धातु मूल्य.....

4. कलात्मक कार्य (मूल्यांकन रिपोर्ट संलग्न करें)

- (क) कलात्मक कार्य का स्वरूप
- (ख) जिस देश में अवस्थित हैं
- (ग) अर्जन की तारीख
- (घ) अर्जन की लागत
- (ङ.) मूल्यांकक द्वारा यथा प्राक्कलित कलात्मक कार्य का मूल्य
- (च) नियम 3 के अनुसार उचित बाजार मूल्य
- (यदि (घ) या (ङ.) से भिन्न है तो पृथक संगणना दें)

5. शेयर और प्रतिभूतियां

(क) उत्कथित शेयर और प्रतिभूतियां [नियम 3 (1) (ग)(I)]

(i) प्रतिभूति/शेयर का वर्णन

(क) जारी कर्ता का नाम.....

(ख) प्रतिभूतियों/शेयरों की संख्या.....

(ग) प्रतिभूति/शेयर का प्रकार.....

(ii) स्थापित प्रतिभूति बाजार, जहां उत्कथित किया गया है

(iii) जिस देश में प्रतिभूति बाजार अवस्थित है.....

(iv) जिस नाम में है.....

(v) अर्जन की लागत

(vi) अर्जन की तारीख

(vii) नियम 3 (1) (ग) (II) के अधीन यथावधारित मूल्य

(viii) मूल्यांकन की तारीख

(ix) नियम 3 के अनुसार उचित बाजार मूल्य

(यदि (v) या (vii) से भिन्न है तो पृथक संगणना दें)

(ख) अनउत्कथित साधारण शेयर[नियम 3 (1) (ग)(II) मूल्यांकन रिपोर्ट संलग्न करें]

(i) शेयर का वर्णन

(क) जारी कर्ता का नाम.....

(ख) शेयरों की संख्या.....

(ग) शेयर का प्रकार.....

(ii) जिस देश में अवस्थित है

(iii) जिस नाम में है.....

(iv) अर्जन की लागत

(v) अर्जन की तारीख

(vi) नियम 3 (1) (ग) (II) के अधीन यथावधारित मूल्य

(vii) मूल्यांकन की तारीख

(viii) नियम 3 के अनुसार उचित बाजार मूल्य

(यदि (iv) या (vi) से भिन्न है तो पृथक संगणना दें)

(ग) किसी कंपनी में साधारण शेयरों से अन्य का अनउत्कथित शेयर और प्रतिभूतियां [नियम 3 (I) (ग)(III) मूल्यांकन रिपोर्ट संलग्न करें]

(i) शेयर/प्रतिभूति का वर्णन

(क) जारी कर्ता का नाम.....

(ख) प्रतिभूतियों/शेयरों की संख्या.....

(ग) प्रतिभूतियों/शेयरों का प्रकार.....

- (ii) जिस देश में अवस्थित है
- (iii) जिस नाम में है.....
- (iv) अर्जन की लागत
- (v) अर्जन की तारीख
- (vi) नियम 3 (I) (ग) (III) के अधीन यथावधारित मूल्य
- (vii) मूल्यांकन की तारीख
- (viii) नियम 3 के अनुसार उचित बाजार मूल्य

(यदि (iv) या (vi) से भिन्न है तो पृथक संगणना दें)

6. कोई अन्य आस्ति

- (क) आस्ति का वर्णन.....
- (ख) जिस देश में अवस्थित है
- (ग) जिस नाम में है.....
- (घ) नियम 3(1) के अधीन यथा-अवधारित मूल्य.....
- (ङ.) मूल्यांकन की तारीख.....
- (च) नियम 3 के अनुसार उचित बाजार मूल्य
- (यदि (घ) से भिन्न है तो पृथक संगणना दें)

7. घोषित सभी आस्तियों का कुल उचित बाजार मूल्य

8. अधिनियम की धारा 5 के अनुसार कटौती

(जहां आय से अधिक आस्ति का भार पहले ही आयकर अधिनियम के अधीन निर्धारित किया गया है) (प्रत्येक आस्ति के संबंध में पृथक्कृत: दें)

9. निर्धारण वर्ष, जिसके लिए आयकर अधिनियम की धारा 142/143 (2)/148/153क/ 153ग के अधीन नोटिस जारी किया गया है, से सुसंगत पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान आस्ति में किए गए विनिधान के कारण कटौती

10. घोषित सभी अप्रकटित आस्तियों का कुल उचित बाजार मूल्य (7-8-9)

(प्ररूप की मद 8 पर ले जाएं)

.....हस्ताक्षर

.....नाम

स्थान

तारीख.....

टिप्पण –

1. यदि संदेय कर की कुल रकम 31 दिसंबर, 2015 से पूर्व संदत्त नहीं की जाती है तो घोषणा शून्य समझी जाएगी और कभी भी नहीं की गई घोषणा समझी जाएगी।
2. यदि घोषणा तथ्यों के दुर्व्यपदेशन या छिपाने से की जाती है तो वह शून्य होगी तथा कभी भी नहीं की गई घोषणा समझी जाएगी।

प्ररूप 7

अप्रकटित विदेशी आस्ति के लिए कर अनुपालन

[नियम 9(2) देखें]

काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 के अध्याय 6 के अधीन अप्रकटित विदेशी आस्ति की घोषणा की अभिस्वीकृति

प्रधान आयुक्त/आयुक्त का कार्यालय,

.....

.....

अभिस्वीकृत किया जाता है कि काला धन (अप्रकटित विदेशी आय और आस्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 की धारा 59 के अधीन की गई घोषणा निम्नलिखित के संबंध में स्वीकृत की गई है:

- 1) घोषणाकर्ता का नाम और पता
.....
.....
- 2) पुत्र/पुत्री/पत्नी
.....
- 3) पैन
.....
- 4) घोषणा फाइल करने की रसीद सं. और तारीख
- 5) घोषणा के ब्यौरे [प्ररूप सं. 6 के उपाबंध के अनुसार (प्रधान आयुक्त/ आयुक्त द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाना है)]
घोषित और स्वीकृत सभी आस्तियों का कुल उचित बाजार मूल्य रु.
- 6) घोषित और स्वीकृत आस्तियों पर संदेय कर रु.
- 7) घोषित और स्वीकृत आस्तियों पर संदेय शास्ति रु.
- 8) कुल संदेय रकम (6) + (7) रु.
- 9) संदत्त कर के ब्यौरे

क्रम सं.	बैंक का बीएसआर कोड	निक्षेप की तारीख (दिन/मास/वर्ष)	चालान की क्रम सं.	राशि (रु.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
i				
ii				

तारीख.....

प्रधान आयुक्त/आयकर आयुक्त)

टिप्पण – जब तक संदेय कर और शास्ति की कुल रकम का संदाय नहीं किया जाता है तब तक कोई अभिस्वीकृति जारी नहीं की जाएगी।

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 2nd July, 2015

G.S.R. 529(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 85 of the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015 (22 of 2015), the Central Board of Direct Taxes with the approval of the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement. — (1) These rules may be called the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Rules, 2015.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.— (1) In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) “Act” means the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015 (22 of 2015);
- (b) “Chapter” means a Chapter of the Act;
- (c) “Form” means a Form appended to these rules;
- (d) “Income-tax Act” means the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961);
- (e) “Section” means a section of the Act.

(2) Words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act, the Income-tax Act or the rules made thereunder, shall have the meanings respectively assigned to them in those Acts and rules.

3. Fair market value. — (1) For the purposes of sub-section (2) of Section 3 of the Act, the fair market value of the assets shall be determined in the following manner, namely:—

- (a) value of bullion, jewellery or precious stone shall be the higher of,—
 - (I) its cost of acquisition; and
 - (II) the price that the bullion, jewellery or precious stone shall ordinarily fetch if sold in the open market on the valuation date for which the assessee may obtain a report from a valuer recognised by the Government of a country or specified territory outside India or any of its agencies for the purpose of valuation of bullion, jewellery or precious stone under any regulation or law;
- (b) valuation of archaeological collections, drawings, paintings, sculptures or any work of art (hereinafter referred to as artistic work) shall be the higher of,—
 - (I) its cost of acquisition; and
 - (II) the price that the artistic work shall ordinarily fetch if sold in the open market on the valuation date for which the assessee may obtain a report from a valuer recognised by the Government of a country or specified territory outside India or any of its agencies for the purpose of valuation of artistic work under any regulation or law;
- (c) valuation of shares and securities,—
 - (I) the fair market value of quoted share and securities shall be the higher of,—
 - (i) its cost of acquisition; and
 - (ii) the price as determined in the following manner, namely:—
 - (A) the average of the lowest and highest price of such shares and securities quoted on any established securities market on the valuation date; or
 - (B) where on the valuation date there is no trading in such shares and securities on any established securities market, average of the lowest and highest price of such shares and securities on any established securities market on a date immediately preceding

the valuation date when such shares and securities were traded on such securities market;

(II) the fair market value of unquoted equity shares shall be the higher of,-

(i) its cost of acquisition; and

(ii) the value, on the valuation date, of such equity shares as determined in the following manner, namely:—

$$\text{the fair market value of unquoted equity shares} = \frac{(A+B-L)}{(PE)} \times (PV),$$

where,

A= book value of all the assets (other than bullion, jewellery, precious stone, artistic work, shares, securities and immovable property) as reduced by,- (i) any amount of income-tax paid, if any, less the amount of income-tax refund claimed, if any, and (ii) any amount shown as asset including the unamortised amount of deferred expenditure which does not represent the value of any asset;

B= fair market value of bullion, jewellery, precious stone, artistic work, shares, securities and immovable property as determined in the manner provided in this rule;

L= book value of liabilities, but not including the following amounts, namely:-

(i) the paid-up capital in respect of equity shares;

(ii) the amount set apart for payment of dividends on preference shares and equity shares;

(iii) reserves and surplus, by whatever name called, even if the resulting figure is negative, other than those set apart towards depreciation;

(iv) any amount representing provision for taxation, other than amount of income-tax paid, if any, less the amount of income-tax claimed as refund, if any, to the extent of the excess over the tax payable with reference to the book profits in accordance with the law applicable thereto;

(v) any amount representing provisions made for meeting liabilities, other than ascertained liabilities;

(vi) any amount representing contingent liabilities other than arrears of dividends payable in respect of cumulative preference shares;

PE = total amount of paid up equity share capital as shown in the balance-sheet;

PV= the paid up value of such equity shares;

(III) the fair market value of unquoted share and security other than equity share in a company shall be the higher of,-

(i) its cost of acquisition; and

(ii) the price that the share or security shall ordinarily fetch if sold in the open market on the valuation date for which the assessee may obtain a report from a valuer recognised by the Government of a country or specified territory outside India or any of its agencies for the purpose of valuation of share and security under any regulation or law;

(d) the fair market value of an immovable property shall be higher of,-

(I) its cost of acquisition; and

(II) the price that the property shall ordinarily fetch if sold in the open market on the valuation date for which the assessee may obtain a valuation report from a valuer recognised by the Government of a country or specified territory outside India in which the property is located or any of its agencies for the purpose of valuation of immovable property under any regulation or law;

- (e) value of an account with a bank shall be,-
- (I) the sum of all the deposits made in the account with the bank since the date of opening of the account; or
 - (II) where a declaration of such account has been made under Chapter VI and the value of the account as computed under sub-clause (I) has been charged to tax and penalty under that Chapter, the sum of all the deposits made in the account with the bank since the date of such declaration:

Provided that where any deposit is made from the proceeds of any withdrawal from the account, such deposit shall not be taken into consideration while computing the value of the account.

- (f) value of an interest of a person in a partnership firm or in an association of persons or a limited liability partnership of which he is a member shall be determined in the manner specified in clause (g).
- (g) The net asset of the firm, association of persons or limited liability partnership on the valuation date shall first be determined and the portion of the net asset of the firm, association of persons or limited liability partnership as is equal to the amount of its capital shall be allocated among its partners or members in the proportion in which capital has been contributed by them and the residue of the net asset shall be allocated among the partners or members in accordance with the agreement of partnership or association for distribution of assets in the event of dissolution of the firm or association, or, in the absence of such agreement, in the proportion in which the partners or members are entitled to share profits and the sum total of the amount so allocated to a partner or member shall be treated as the value of the interest of that partner or member in the partnership or association.

Explanation.- For the purposes of this clause the net asset of the firm, association of persons or limited liability partnership shall be $(A + B - L)$, which shall be determined in the manner provided in sub-clause (II) of clause (c).

- (h) valuation of any other asset shall be higher of,-
- (I) its cost of acquisition or the amount invested; and
 - (II) the price that the asset would fetch if sold in the open market on the valuation date in an arm's-length transaction.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), where an asset (other than a bank account) was transferred before the valuation date the fair market value of such asset shall be higher of its cost of acquisition and the sale price:

Provided that where such asset was transferred without consideration or inadequate consideration before the valuation date, the fair market value of the asset shall be higher of its cost of acquisition and the fair market value on the date of transfer.

(3) Where a new asset has been acquired or made out of consideration received on account of transfer of an old asset or withdrawal from a bank account, then the fair market value of the old asset or the bank account, as the case may be, determined in accordance with sub-rule (1) and sub-rule (2) shall be reduced by the amount of the consideration invested in the new asset.

Illustration

A house property (H1) located outside India was bought in 1997 for twenty lakh rupees. It was sold in 2001 for twenty five lakh rupees which were deposited in a foreign bank account (BA). In 2002 another house property (H2) was bought for thirty lakh rupees. The investment in H2 was made through withdrawal from BA. H2 has not been transferred before the valuation date and its value on the valuation date is fifty lakh rupees. Assuming that the value of BA as computed under Rule 3(1)(e) is seventy lakh rupees, the fair market value (FMV) of the assets shall be as below:

FMV of H1: (Higher of Rs. 20 lakh and 25 lakh) – Rs. 25 lakh (invested in BA) = Nil

FMV of BA: Rs. 70 lakh – Rs. 30 lakh (invested in H2) = Rs. 40 lakh

FMV of H2: (Higher of Rs. 30 lakh and 50 lakh) = Rs. 50 lakh

(4) The fair market value of an asset determined in a currency which is one of the permitted currencies designated by the Reserve Bank of India under the Foreign Exchange Management Regulations, shall be converted into Indian currency as per the reference rate of the Reserve Bank of India on the date of valuation.

(5) Where the fair market value of an asset is determined in a currency other than one of the permitted currencies designated by the Reserve Bank of India, then, such value shall be converted into United States Dollar on the date of valuation as per the rate specified by the Central Bank of the country or jurisdiction in which the asset is located and

such value in United States Dollar shall be converted into Indian currency as per the reference rate of the Reserve Bank of India on the date of valuation:

Provided that where the Central Bank of the country or jurisdiction in which the asset is located does not specify the rate of conversion from its local currency to United States Dollar then such rate shall be the one as specified by any other bank regulated under the laws of that country or jurisdiction.

Explanation 1.- For the purposes of this rule,-

- (a) “established securities market” means an exchange that is officially recognised and supervised by a Governmental entity in which the market is located and that has a meaningful annual value of shares traded on the exchange;
- (b) “meaningful annual value of shares traded on the exchange” with respect to an exchange means it has an annual value of shares traded on the exchange (or a predecessor exchange) exceeding one billion United States Dollar during each of the three calendar years immediately preceding the calendar year in which the determination is being made;
- (c) “meaningful volume of trading on an on-going basis” with respect to each class of shares means,- (i) trades in each such class are effected, other than in de minimis quantities, on one or more established securities markets on at least sixty business days during the prior calendar year; and (ii) the aggregate number of shares in each such class that are traded on such market or markets during the prior year are at least ten percent. of the average number of shares outstanding in that class during the prior calendar year;
- (d) “quoted share or security” means the share or security which has a meaningful volume of trading on an ongoing basis on an established securities market and is regularly quoted by dealers where they actively do offer to, and in fact do, purchase the share from, and sell the share to, customers who are not related to the dealer in the ordinary course of a business;
- (e) “unquoted share and security” in relation to share or security means share or security which is not a quoted share or security.

Explanation 2.- For the purpose of determining the market value as on valuation date referred to in in sub-rule (1), and for the purpose of conversion into Indian currency or conversion of foreign currency into United States Dollar and thereafter into Indian currency, the date shall be-

- (a) in respect of asset declared under section 59 of the Act, the 1st day of July, 2015;
- (b) in any other case, the 1st day of April of the previous year.

4. Tax authorities.- For the purposes of section 8, the tax authorities shall be the Assessing Officer, Joint Commissioner, Commissioner (Appeals), Commissioner or Principal Commissioner, Chief Commissioner or Principal Chief Commissioner.

5. Notice of demand. — Where any tax, interest or penalty is payable in consequence of any order passed under the provisions of the Act, the Assessing Officer shall serve upon the assessee a notice of demand in Form 1 specifying the sum so payable.

6. Appeal to Commissioner (Appeals). — (1) An appeal under sub-section (1) of section 15 to the Commissioner (Appeals) shall be made in Form 2.

(2) The form of appeal referred to in sub-rule (1), the grounds of appeal and the form of verification appended thereto relating to an assessee shall be signed and verified by the person who is authorised to sign the return of income under section 140 of the Income-tax Act, as applicable to the assessee.

(3) Every appeal filed under sub-section (1) of section 15 shall be accompanied by a fee of ten thousand rupees.

(4) No appeal under sub-section (1) of section 15 shall be admitted unless at the time of filing of the appeal the assessee has paid the tax alongwith penalty and interest thereon on the amount of liability which has not been objected to by the assessee.

7. Appeal to Appellate Tribunal. — (1) An appeal under sub-section (1) of section 18 to the Appellate Tribunal shall be made in Form 3, and where the appeal is made by the assessee, the form of appeal, the grounds of appeal and the form of verification appended thereto shall be signed by the person specified in sub-rule (2) of rule 6.

(2) The memorandum of cross-objections under sub-section (4) of section 18 to the Appellate Tribunal shall be made in Form 4, and where the memorandum of cross objection is made by the assessee, the form of memorandum of cross-objections, the grounds of cross-objections and the form of verification appended thereto shall be signed by the person specified in sub-rule (2) of rule 6.

(3) Every appeal filed under sub-section (1) of section 18 shall be accompanied by a fee of twenty five thousand rupees.

8. Form of tax arrears.- A statement of tax arrears under section 31 or section 33 shall be drawn up by the Tax Recovery Officer in Form 5.

9. Declaration of undisclosed asset located outside India under section 59.- (1) A declaration in respect of any undisclosed asset located outside India under section 59 of the Act shall be made in Form 6.

(2) The Principal Commissioner or the Commissioner shall grant an acknowledgement in Form 7 to the declarant within fifteen days of the submission of proof of payment of tax alongwith penalty by the declarant under sub-section (2) of section 63 of the Act in respect of the undisclosed asset located outside India.

10. Educational qualifications.- The educational qualifications for the purpose of clause (f) of sub-section (3) of section 78 shall be the same as those prescribed in rule 51 of the Income-tax Rules, 1962.

11. Authority in certain cases.- For the purposes of clause (c) of sub-section (4) of section 78, the authority shall be the Principal Chief Commissioner or Chief Commissioner or Principal Commissioner or Commissioner having jurisdiction over the case in the proceedings connected with which the tax practitioner is alleged to be guilty of misconduct.

12. Rounding off of income, value of asset and tax. — For the purpose of section 79 the amount of undisclosed foreign income and asset computed in accordance with the Act and any amount payable or receivable by the assessee under the Act shall be rounded off to the nearest multiple of one hundred rupees or ten rupees, as the case may be and for this purpose, where such amount contains a part of a rupee consisting of paise then, if such part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise it shall be ignored.

[Notification No. 58/2015 /F. No. 133/33/2015-TPL]

GAURAV KANAUIA, Director

APPENDIX

FORM 1

[See rule 5]

Notice of demand

To

.....

.....

.....

Status.....

PAN.....

1. This is to give you notice that for the assessment year a sum of Rs., details of which are given on the reverse, has been determined to be payable by you.

2. The amount should be paid to the Manager, authorised Bank or State Bank of India or Reserve Bank of India at within days of the service of this notice. The previous approval of the Additional/Joint Commissioner has been obtained for allowing a period of less than 30 days for the payment of the above sum.

3. If you do not pay the amount within the period specified above, proceedings for the recovery thereof will be taken in accordance with sections 30 to 39 of the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015.

4. If you intend to appeal against the assessment or penalty, you may present an appeal under section 15 of the Act, to the Commissioner (Appeals)..... within thirty days of the receipt of this notice, in Form 2 as prescribed in rule 6, duly stamped and verified as laid down in that form.

5. The amount has become due as a result of the order of the Commissioner (Appeals) under section 15 of the Act. If you intend to appeal against the aforesaid order, you may present an appeal under section 18 of the Act to the Appellate Tribunalwithin sixty days of the receipt of that order, in Form 3, as prescribed in rule 7, duly stamped and verified as laid down in that form.

Place

.....

Date.....

Assessing Officer

.....

Address

Notes:

1. Delete inappropriate paragraphs and words.
2. If you wish to pay the amount by cheque, the cheque shall be drawn in favour of the Manager, authorised Bank or State Bank of India or Reserve Bank of India.

FORM 2

[See rule 6(1)]

Appeal to the Commissioner (Appeals)

Designation of the Commissioner (Appeals)

*No.....of 20.....

1. Name and address of the appellant
2. Permanent Account Number
3. Assessment year in connection with which the appeal is preferred
4. Assessing Officer passing the order appealed against
5. Section and sub-section of the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015, under which the Assessing Officer passed the order appealed against and the date of such order
6. Where the appeal relates to any assessment or penalty, the date of service of the relevant notice of demand
7. In any other case, the date of service of the intimation of the order appealed against
8. Section and sub-section of the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015, under which the appeal is preferred
9. Relief claimed in appeal
10. Amount of tax alongwith penalty and interest thereon, arising out of the order in which appeal is preferred, that is not objected to by the appellant in appeal
11. Whether the undisputed amount referred to in item 10 has been paid (if yes, give details of date of payment, challan number and amount paid)
12. **Where an appeal in relation to any other assessment year is pending in the case of the appellant with any Commissioner (Appeals), give the details as to the -
(a) Commissioner (Appeals), with whom the appeal is pending;
(b) assessment year in connection with which the appeal has been preferred;

(c) Assessing Officer passing the order appealed against;

(d) Section and sub-section of the Act, under which the Assessing Officer passed the order appealed against and the date of such order

13. Address to which notices may be sent to the appellant

.....
Signed
(Appellant)

STATEMENT OF FACTS

GROUND OF APPEAL

.....
Signed
(Appellant)

Form of Verification

I,, the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the day of

Place

.....
Signature

Notes:

1. The form of appeal, grounds of appeal and the form of verification appended thereto shall be signed by a person in accordance with the provisions of rule 6(2).
2. The memorandum of appeal, statement of facts and the grounds of appeal shall be in duplicate accompanied by a copy of the order appealed against and the notice of demand in original, if any.
3. Delete the inappropriate words.
4. *These particulars will be filled in in the office of the Commissioner (Appeals).
5. If the space provided herein is insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.
6. **If appeals are pending in relation to more than one assessment year, separate particulars in respect of each assessment year may be given.
7. The memorandum of appeal shall be accompanied by a fee of ten thousand rupees.
8. The fee should be credited in a branch of the authorised Bank or a branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India.

FORM 3

[See rule 7(1)]

Form of appeal to the Appellate Tribunal

In the Appellate Tribunal

*Appeal No.....of 20.....

.....

APPELLANT

versus

.....

RESPONDENT

1. The State in which the assessment was made

2. Permanent Account Number of the assessee (Appellant/Respondent)

3. Section under which the order appealed against was passed
4. Assessment year in connection with which the appeal is preferred
5. Total undisclosed foreign income and asset assessed by the Assessing Officer for the assessment year referred to in item 4
6. The Assessing Officer passing the original order
7. Section of the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015 under which the Assessing Officer passed the order
8. The Commissioner (Appeals) passing the order under section 12/ 15/45
9. Date of communication of the order appealed against
10. Address to which notices may be sent to the appellant
11. Address to which notices may be sent to the respondent
12. Relief claimed in appeal

GROUND OFS OF APPEAL

1.	2.	3.	4.	etc.
.....			
Signed				Signed
(Authorised representative, if any)				(Appellant)

Verification

I,, the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the day of

Place

.....

Signed

Notes:

1. The memorandum of appeal shall be in triplicate accompanied by two copies (at least one of which should be a certified copy) of the order appealed against, two copies of the relevant order of the Assessing Officer, two copies of the grounds of appeal before the first appellate authority, two copies of the statement of facts, if any, filed before the said appellate authority.
2. The memorandum of appeal by an assessee under sub-section (1) of Section 18 of the shall be accompanied by a fee of twenty five thousand rupees.
3. The fee shall be credited in a branch of the authorised Bank or a branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India after obtaining a challan and the triplicate challan shall be sent to the Appellate Tribunal with a memorandum of appeal. The Appellate Tribunal shall not accept cheques, drafts, hundies or other negotiable instruments.
4. The memorandum of appeal shall be written in English or, if the appeal is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the appellant, in Hindi, and shall set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds shall be numbered consecutively.

5. *The number and year of appeal will be filled in the office of the Appellate Tribunal.
6. Delete the inapplicable columns. If the space provided is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.

FORM 4

[See rule 7(2)]

Form of memorandum of cross-objections to the Appellate Tribunal

IN THE APPELLATE TRIBUNAL

*Cross-objection No. of -

**In Appeal No. of -

.....

Versus

.....

APPELLANT

RESPONDENT

1. **Appeal No. allotted by the Tribunal to which memorandum of cross-objections relates

2. The State in which the assessment was made

3. Section under which the order appealed against was passed

4. Assessment year in connection with which the memorandum of cross-objections is preferred

5. Date of receipt of notice of appeal filed by the appellant to the Tribunal

6. Address to which notices may be sent to the respondent (cross-objector)

7. Address to which notices may be sent to the appellant

8. †Relief claimed in the memorandum of cross-objections

†GROUNDS OF CROSS-OBJECTIONS

1.

2.

3.

4. etc.

Signed

(Authorised representative, if any)

Signed

(Respondent)

Verification

I, the respondent, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the day of

Signed

Notes :

1. The memorandum of cross-objections must be in triplicate.
2. The memorandum of cross-objections should be written in English or, if the memorandum is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the respondent, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads, the cross-objections without any argument or narrative and such objections should be numbered consecutively.
3. *The number and year of memorandum of cross-objections will be filled in in the office of the Appellate Tribunal.
4. **The number and year of appeal as allotted by the office of the Tribunal and appearing in the notice of appeal received by the respondent is to be filled in here by the respondent.
5. †If the space provided is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.

Form 5

[See rule 8]

Certificate under section 31 or 33 of the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015

Office of the TRO.....

Dated the.....

To

.....(PAN)

.....

1. * This is to certify that a sum of Rs.has become due from you on..... in the status of, details of which are given on the reverse.

Whereas a certificate bearing Serial Number..... dated..... had been forwarded by the Tax Recovery Officer,, for the recovery of the sum of Rs.....

[name of the place]

details of which are given on the reverse and the said Tax Recovery Officer has sent a certified copy of the said certificate to the undersigned under section 33(2) of the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015 specifying a sum of Rs..... which is to be recovered from you.

2. You are hereby directed to pay the above sum within 15 days of the receipt of this notice failing which the recovery shall be made in accordance with the provisions of section 31 to section 39 of the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015 and the Second Schedule to the Income-tax Act, 1961 and the rules made thereunder.

3. In addition to the sums aforesaid, you will also be liable for all costs, charges and expenses incurred in respect of the services of this notice and of warrants and other processes and all other proceedings taken for realising the arrears.

SEAL

.....

Tax Recovery Officer

*Score out whichever paragraph is not applicable.

DETAILS OF AMOUNT IN ARREARS

	Amount (Rs.)	Asst. year
1. Tax		
2. Penalty u/s.....		
3. Interest u/s.....		
4. Any other sum (give details)		
5. Total		

Form 6*Tax compliance for undisclosed foreign asset*

[See rule 9(1)]

Form of declaration of undisclosed asset located outside India under section 59 of the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015

To,

The Principal Commissioner/Commissioner

.....

Sir/ Madam,

I hereby make a declaration under section 59 of the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015. I give below the necessary particulars:—

1. Name of the declarant

2. Address: Office.....

.....

E-mail.....Telephone No.....

Residence.....

.....

E-mail.....Telephone No.....

3. Permanent Account Number (PAN)

(In case PAN is not held, please apply for PAN and quote here)

4. Original/Revised declaration

(If Revised provide date of filing original declaration)

5. Status of the declarant

(a) State whether individual, HUF, firm, company etc.

(b) State whether Resident/Non-Resident/Not ordinarily resident

6. Whether any Income-tax return has been filed? Yes/No. If Yes provide the following details

- (a) Asst. Year for which last return filed
- (b) Assessing Officer before whom filed, if above return filed in paper form

7. Statement of undisclosed asset located outside India (as per annexure)

8. Total amount of declaration of undisclosed asset located outside India Rs

9. Tax payable thereon (@ 30% of item 8) Rs.

10. Penalty payable thereon (@ 30% of item 8) Rs.

11. Tax paid, if any, on or before the date of declaration Rs.

(Attach proof of payment and provide details below)

Sl	BSR Code of Bank	Date of Deposit (DD/MM/YYYY)	Serial Number of Challan	Amount (Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
i				
ii				

12. Balance tax payable.....

VERIFICATION

I,son/daughter/wife of Shri.....

(Full name in block letters)

(name of father/husband)

solemnly declare that—

- (a) the information given in this declaration is correct and complete to the best of my knowledge and belief;
- (b) my own undisclosed foreign asset and also any undisclosed foreign asset of other persons in respect of which I am chargeable to tax and income accruing or arising from assets held by me through any other person, for which I had failed to furnish a return under section 139 of the Income-tax Act, 1961/which I had failed to disclose in a return of income furnished by me before the commencement of the Act/which has otherwise escaped assessment, has been disclosed in this declaration;
- (c) the provisions of section 71(a) in respect of Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 are not applicable to me;
- (d) the provision of section 71(b) in respect of Indian penal Code, the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985, the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967, the Prevention of Corruption Act, 1988 are not applicable to me;
- (e) the undersigned has not been notified under section 3 of the Special Court (Trial of Offences Relating to Transactions in Securities) Act, 1992;

- (f) the asset declared has not been acquired from income chargeable to tax under the Income-tax Act for any previous year relevant to assessment year,-
- where a notice under section 142 or sub-section (2) of section 143 or section 148 or section 153A or section 153C of the Income-tax Act has been received in respect of such assessment year and the proceeding is pending before the Assessing Officer;
 - where a search has been conducted under section 132 or requisition has been made under section 132A or a survey has been carried out under section 133A of the Income-tax Act in a previous year and a notice under subsection (2) of section 143 of the said Act for the assessment year relevant to such previous year or a notice under section 153A or under section 153C of the said Act for an assessment year relevant to any previous year prior to such previous year has not been received and the time for issuance of such notice has not expired.

I, further declare that I am making this declaration in my capacity as.....

(designation)

and that I am competent to make this declaration and verify it.

.....

(Signature)

Place.....

Date.....

* Score out whichever is not applicable.

Annexure to Form 6

Statement of undisclosed assets located outside India

Description of assets declared (Use separate sheet in case of multiple assets in the same category)

1. Bank account

- Name and address of Bank _____
- Country of location _____
- Account holder name(s) _____
- Account Number _____
- Account opening date _____
- Sum of all credits in the account _____
- Fair market Value as per Rule 3 _____

(Provide separate computation if different from (f))

2. Immovable property (attach valuation report)

- Nature of property (land/building/flat etc.) _____
- Address of the property _____
- Country of location _____
- Name(s) under which held _____
- Date of acquisition _____
- Total acquisition cost _____
- Value as estimated by the valuer on valuation date _____
- Fair Market value as per Rule 3 _____

(Provide separate computation if different from (f) or (g))

3. Jewellery (attach valuation report)

(a) Gold

(I) Purity _____, Weight _____, Value _____

(II) Purity _____, Weight _____, Value _____

(b) Diamond (1 carat or more)

(I) Carat _____, Cut _____, Colour _____, Clarity _____, Value _____

(II) Carat _____, Cut _____, Colour _____, Clarity _____, Value _____

(c) Diamond (less than 1 carat) and other precious stones Value _____

(d) Other precious metals Value _____

4. Artistic work (attach valuation report)

(a) Nature of artistic work _____

(b) Country of location _____

(c) Name(s) under which held _____

(d) Date of acquisition _____

(e) Cost of acquisition _____

(f) Value of artistic work as estimated by the valuer _____

(g) Fair Market value as per Rule 3 _____

(Provide separate computation if different from (e) or (f))

5. Shares and securities

(a) Quoted shares and securities [Rule 3(1)(c)(I)]

(i) Description of security/share

(A) Name of issuer _____

(B) Number of securities/shares _____

(C) Type of security/share _____

(ii) Established securities market where quoted _____

(iii) Country where securities market located _____

(iv) Name(s) under which held _____

(v) Cost of acquisition _____

(vi) Date(s) of acquisition _____

(vii) Value as determined under Rule 3(1)(c)(I) _____

(viii) Date of valuation _____

(ix) Fair Market value as per Rule 3 _____

(Provide separate computation if different from (v) or (vii))

(b) Unquoted equity share [Rule 3(1)(c)(II)] (attach valuation report)

(i) Description of share

(A) Name of issuer _____

(B) Number of shares _____

(C) Type of share _____

- (ii) Country of location _____
- (iii) Name(s) under which held _____
- (iv) Cost of acquisition _____
- (v) Date(s) of acquisition _____
- (vi) Value as determined under Rule 3(1)(c)(II) _____
- (vii) Date of valuation _____
- (viii) Fair Market value as per Rule 3 _____
- (Provide separate computation if different from (iv) or (vi))
- (c) Unquoted shares and securities other than equity shares in a company [Rule 3(1)(c)(III)]
(attach valuation report)
- (i) Description of share/security
- (A) Name of issuer _____
- (B) Number of securities/shares _____
- (C) Type of security/share _____
- (ii) Country of location _____
- (iii) Name(s) under which held _____
- (iv) Cost of acquisition _____
- (v) Date(s) of acquisition _____
- (vi) Value as determined under Rule 3(1)(c)(III) _____
- (vii) Date of valuation _____
- (viii) Fair Market value as per Rule 3 _____
- (Provide separate computation if different from (iv) or (vi))
- (6) Any other asset
- (a) Description of asset _____
- (b) Country of location _____
- (c) Name(s) under which held _____
- (d) Value as determined under Rule 3(1) _____
- (e) Date of valuation _____
- (f) Fair Market value as per Rule 3 _____
- (Provide separate computation if different from (d))
- (7) Total fair market value of all the assets declared _____
- (8) Deduction as per section 5 of the Act _____
(where part of asset acquired from income already assessed under
the Income-tax Act) (to be provided in respect of each asset separately)
- (9) Deduction on account of investment made in the asset during the
previous year relevant to the assessment year for which a notice
u/s 142/143(2)/148/153A/153C of the I.T. Act is issued _____

- (10) Total fair market value of all the undisclosed assets _____
 declared (7-8-9)
 (to be taken to item 8 of the form)

.....
 (Signature)

.....
 (Name)

Place.....

Date.....

NOTES:

1. If the total amount of tax payable is not paid before 31st December 2015, the declaration will be treated as void and shall be deemed never to have been made.
2. If the declaration is made by misrepresentation or suppression of facts it shall be void and shall be deemed never to have been made.

Form 7

Tax compliance for undisclosed foreign asset

[See rule 9(2)]

Acknowledgement of declaration of undisclosed foreign asset under Chapter VI of the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015

Office of the Principal Commissioner/Commissioner of Income-tax,

This is to acknowledge that a declaration under section 59 of the Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2015 has been accepted in respect of the following:

- 1) Name and address of the declarant:
- 2) Son/Daughter/Wife of
- 3) PAN
- 4) Receipt No. and date of filing the Declaration:
- 5) Details of Declaration [As per Annexure to Form 6 (to be countersigned by the Principal Commissioner or Commissioner)]
 Total fair market value of all the assets declared and accepted Rs.
- 6) Tax payable on the assets declared & accepted Rs.

- 7) Penalty payable on the assets declared & accepted Rs.
- 8) Total Amount payable (6) + (7) Rs.
- 9) Details of tax paid

Sl	BSR Code of Bank	Date of Deposit (DD/MM/YYYY)	Serial Number of Challan	Amount (Rs)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
i				
ii				

Date:

.....

(Principal Commissioner/Commissioner of Income-tax)

NOTE:

No acknowledgement will be issued unless the total amount of tax and penalty payable has been paid.